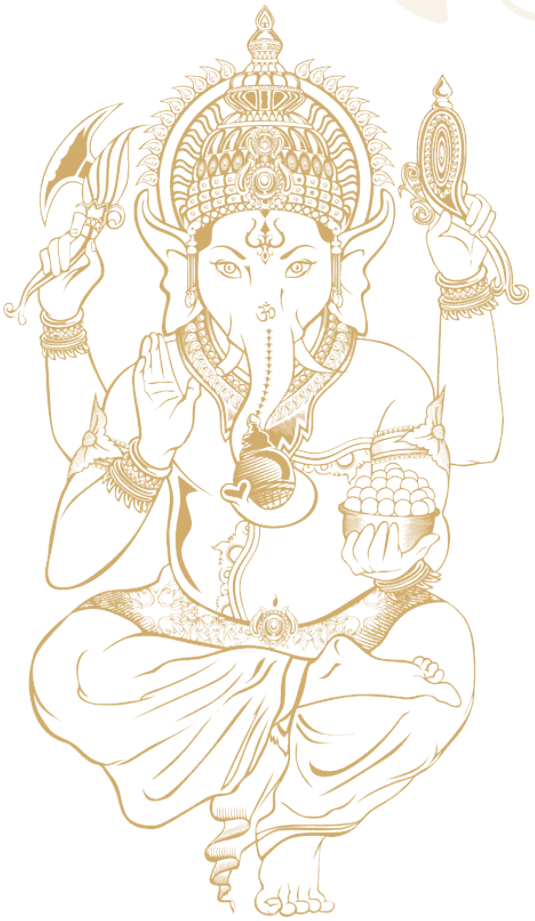

Mr.v

Ms.I

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120018705

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/04/1996	जन्म तिथि	22-23/10/2025
बुधवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 20:00:00	जन्म समय	00:57:00 घंटे
घटी 34:37:16	जन्म समय(घटी)	46:16:06 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Noida
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:05	सूर्योदय	06:25:42
18:39:36	सूर्यास्त	17:43:31
23:48:22	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 5वर्ष 11मा 2दि		08:28:25	तुला	लग्न	कर्क	22:50:48	राहु 0वर्ष 7मा 8दि	
राहु		20:18:38	मीन	सूर्य	तुला	05:26:00	राहु	
06/03/2009		15:26:10	कन्या	चंद्र	तुला	19:33:01	23/10/2025	
07/03/2027		13:56:07	मीन	मंगल	तुला	26:44:32	01/06/2026	
राहु	18/11/2011	26:59:52	मीन	बुध	तुला	28:10:59		00/00/0000
गुरु	12/04/2014	22:22:44	धनु	गुरु	कर्क	00:17:37		00/00/0000
शनि	16/02/2017	06:09:24	वृष	शुक्र	कन्या	16:52:38		00/00/0000
बुध	06/09/2019	05:44:21	मीन	शनि व	मीन	02:03:13		00/00/0000
केतु	23/09/2020	23:19:48	कन्या व	राहु व	कुंभ	23:26:30		00/00/0000
शुक्र	24/09/2023	23:19:48	मीन व	केतु व	सिंह	23:26:30		00/00/0000
सूर्य	18/08/2024	10:16:05	मक	हर्ष व	वृष	06:23:30		00/00/0000
चन्द्र	16/02/2026	03:45:49	मक	नेप व	मीन	05:46:20		23/10/2025
मंगल	07/03/2027	09:04:49	वृश्चि व	प्लूटो	मक	07:09:59	मंगल	01/06/2026

लग्न-चलित

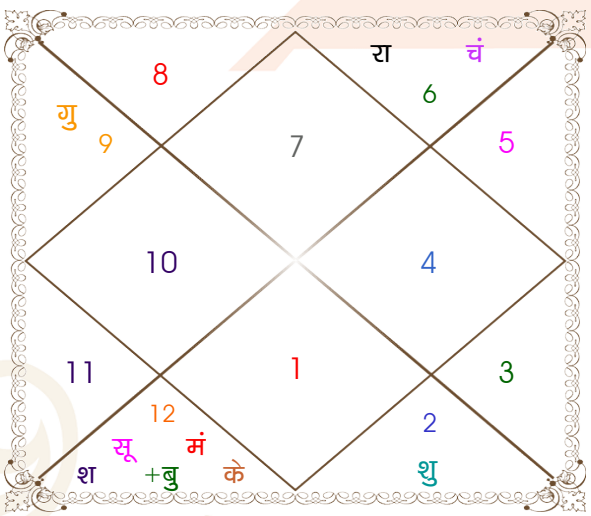

लग्न-चलित

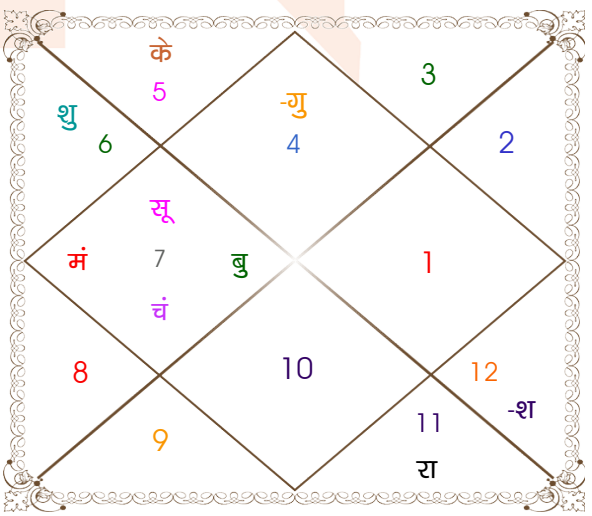

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्अ का वर्ग मेष है तथा डेण्स का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्अ और डेण्स का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्अ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण्स मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेण्स कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्अ कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्अ तथा डेण्स में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।